सत्यमेव जयते

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
(*Indian Council of Forestry Research & Education*)
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

शंकुधारी वृक्षों इन कीट एवं रोगों के प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी तरीके

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 15 फरवरी, 2022 को कोट शिलारू, त॰ ठियोग, जिला - शिमला, हिमाचल प्रदेश में "शंकुधारी वृक्षों में कीट एवं रोगों के प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी तरीके" बिषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कोट शिलारू की पंचायतों से 50 ग्रामीणों ने भाग लिया,जिसमें पंचायत प्रतिनिधि, महिला एवं युवक मण्डल के सदस्य थे। डॉ. संदीप शर्मा,प्रभारी निदेशक,हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने कार्यक्रम का बिधिवत उदघाटन किया। उन्होनें आशा जताई कि कार्यक्रम से जुड़े सभी लोग लाभान्वित होंगे। अपने व्यक्तव्य में उन्होनें शंकुधारी वृक्षों एवं स्थानीय प्रजातियों को विकसित करने संबंधी तकनीकों पर जानकारी दी। डॉ. जगदीश सिंह,वैज्ञानिक-एफ॰,प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं अमृत महोत्सव के इस कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया। डॉ॰ पवन कुमार,वैज्ञानिक-ई, ने शंकुधारी वृक्षों में लगने वाले कीटों एवं उनके प्रबंधन के लिए उपयोग में आए जाने वाले पर्यावरण हितैषी तरीकों पर विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों के साथ सांझा की। डॉ॰ अश्वनी तपवाल,वैज्ञानिक-एफ़, ने शंकुधारीवृक्षों में लगने वाली फफूंद के बारे में विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों के साथ सांझा की तथा उनके लक्षण एवं उनसे बचाव के तरीकों के बारे में अवगत करवाया। इसके अलावा, उन्होने वृक्षों में लगने वाले बैक्टीरिया, वाइरस इत्यादि तथा उनसे बचने के लिए जैव नियंत्रण विषय पर भी विस्तृत जानकारी दी। अंत में उन्होने नर्सरी में पौधों के विकास में माइकोराइजा की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। डॉ॰ पवन कुमार,वैज्ञानिक-ई ने आयोजन से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सरहाना की तथा सभी वक्ताओं के योगदान को संक्षेप में बताते हुये उनका धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

Azadi ka
Amrit Mahotsav
(आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर)
शंकुधारी वृक्षों में कीट एवं रोगों के प्रबंधन के लिए
पर्यावरण हितैषी तरीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
15 फरवरी, 2022

(आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर)
शंकुधारी वृक्षों में कीट एवं रोगों के प्रबंधन के लिए

Newspaper

दैनिक भास्कर

हिमाचल 16-02-2022

पेड़ों पर कीट और फफूंद लगने के बारे में जागरूक किया

शिमला| हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत शिलारू में कार्यक्रम हुआ। जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों-बागवानों को कृषि-वानिकी के महत्व पर चर्चा करना था। ग्रामीणों को शंकुधारी वृक्षों के कीट एवं उन पर लगने वाली फफूंद के बारे में जागरूक किया। इस कार्यक्रम में कोट शिलारू की पंचायतों से 50 ग्रामीणों ने भाग लिया,जिसमें पंचायत प्रतिनिधि, महिला एवं युवक मंडल के सदस्य थे। डॉ. संदीप शर्मा प्रभारी निदेशक हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने कहा कि ग्रामीणों को शंकुधारी वृक्षों एवं स्थानीय प्रजातियों को विकसित करने संबंधी तकनीकों पर जानकारी दी। वैज्ञानिक विस्तार प्रभाग के डॉ. जगदीश सिंह ने कुटकी, वन ककड़ी, कड़ू इत्यादि महत्वपूर्ण औषधीय जड़ी-बूटियों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत शिलारू में कार्यक्रम किया।

****